08 मई, 2021

34वॉ स्थापना दिवस

भाकृअनुप
ICAR

केकृवाअनुसं
CAFRI

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी

(स्थापना 08 मई, 1988)

मुख्य उपलब्धियॉ :

- पूरे देष में 37 अनुसंधान केन्द्रों पर अखिल भारतीय कृषिवानिकी अनुसंधान परियोजना का कियान्वयन ।
- विभिन्न वृक्ष प्रजातियों (बबूल, करधई, नीम, शीषम, जैट्रोफा, सूबबूल तथा करंज) के जर्मप्लाज्म का संग्रह एवं संरक्षण ।
- देष के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए कृषिवानिकी पद्धतियों का विकास एवं प्रदर्षन तथा किसानों और अन्य हितधारकों हेतु क्षमता निर्माण ।
- मानचित्रण के माध्यम से भारत में कृषिवानिकी के अन्तर्गत 243.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का आंकलन किया।
- कृषिवानिकी आधारित जलागम विकास परियोजना के अन्तर्गत परासई–सिन्ध (झॉसी, उ0प्र0) एवं गढ़कुण्डार–डाबर (निवाड़ी, म0प्र0) क्षेत्र का अद्भुत विकास।
- भारत के विभिन्न प्रदेषों में राष्ट्रीय कृषिवानिकी नीति के अन्तर्गत कृषिवानिकी उप–मीषन को लागू करने के लिए तकनीकी ज्ञान प्रदान करना ।
- कृषिवानिकी पद्धतियों को प्रचार–प्रसार के माध्यम से जन–जन तक पहुॅचाना।

जय किसान–जय कृषिवानिकी

8th May 2021

34th Foundation Day

भाकृअनुप
ICAR

केकृवाअनुसं
CAFRI

Central Agroforestry Research Institute

Established on 8th May, 1988 :: Jhansi, Uttar Pradesh

Salient Achievements:

- Implementing a All India Coordinated Research Project on Agroforestry with 37 Centres across the country
- Collection and conservation of agroforestry tree germplasm (*Acacia nilotica-20; Anogeissus pendula-13; Azadirachta indica-170; Dalbergia sissoo-14; Jatropha curcas-74; Leucaena leucocephala-33; Pongamia pinnata-40*)
- Developed and demonstrated agroforestry models for different agro-climatic zones; Capacity building of farmers and other stakeholders
- Estimated the area under agroforestry in India through mapping: 24.372 m ha
- Agroforestry interventions ensured successful restoration of Parasai-Sindh (Uttar Pradesh) and Garhkundar-Dabar (Madhya Pradesh) Watersheds
- Providing technical backstopping to implementation of Sub-Mission on Agroforestry in States, established according to the National Agroforestry Policy

Jai Kisan :: Jai Krishivaniki